[श्री जगजीवन राम]

नहीं है। मैंने किसी बात को छिपाने की कोशिश नहीं की। मैंने सभी बातें आपके सामने रख दी हैं उसके बाद भी यही प्रश्न करते हैं तो उसका उत्तर नहीं मिलेगा। मैंने बता दिया कि इससे अधिक कहने की गुंजायश नहीं है। मैंने काफी बता दिया है, कोई बात छिपाने की मैंने कोशिश नहीं की है। लेकिन यह भी सत्य है कि आपको प्रश्न करना ही चाहिए।...... (व्यवधान) ......मैं यही कह रहा था कि जो कुछ वे कर रहे हैं उसको दृष्टि में रखकर हम भी अपनी तैयारी कर रहे हैं। यह बात सही है, यह सम्भव हो सकता है और इस तरह का निष्कर्ष निकाल सकते हैं जैसा कि प्रेसीडेन्ट भुट्टो ने कहा कि जब दोनों तरफ की फौजें आमने सामने खड़ी हों और एक दूसरे से आंखें भिड़ा रही हों तो इस तरह की घटनाओं का हो जाना सम्भावित है। यह हो सकता है जिस तरह से वे बार-बार मांग करते रहे हैं कि सेनाओं का सरहद से डिस-एंगेजमेन्ट हो जाना चाहिए, वे चाहते होंगे कि इस चीज़ का खतरा दिखाकर जल्दी दोनों सेनायें हटा ली जायें लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि जब तक इस उपमहाद्वीप में स्थायी शांति के लिए कोई रास्ता नहीं निकलता तब तक सेनाओं का हटाना सम्भव नहीं है।.... (व्यवधान).. आपको बोलने में नहीं लगता है लेकिन हमको बोलने में लगता है क्योंकि हमने करके दिखाया है। यहां पर सब तरह के लोगों का जवाब नहीं दिया जा सकता। मुझे इस पर विश्वास है कि सरहद पर जो हमारे जवान हैं उन्होंने कुछ करके दिखाया है...

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जवानों को आप बीच में क्यों लाते हैं? जवानों की वीरता के बारे में किसका मतभेद है?

श्री जगजीवन राम : उन्हीं को लाना है क्योंकि उन्हीं को करना है, न तो आप करने जा रहे हैं और न हम करने जा रहे हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, अब मुझे बीच में बोलना पड़ेगा। सीधा सा सवाल है। बाबूजी स्वीकार करेंगे कि जवानों की वीरता पर कोई मतभेद नहीं है मगर वहां पर हमारी तैयारी पर्याप्त नहीं थी, यह बात साफ हो गई। तैयारी पर्याप्त क्यों नहीं थी इसका जवाब नहीं मिला।

श्री जगजीवन राम : अध्यक्ष महोदय, मैं यह नहीं समझता कि वाजपेयी जी को इसमें गरम होने की क्या बात है? सवाल यह है कि जब सरहद पर बचाने की बात आयेगी तो मैं नहीं कहता कि मैं बचाऊंगा, जवान ही उस काम को करेंगे और जवानों को ही वह काम करना है और मुझ को इस बात का पूरा भरोसा है कि हमारे जवान जो सरहद पर है वह सही जवाब देने के लिए काफी है। मैं यही कह सकता हूं कि इस तरह की एक घटना हुई, इसके बाद हमारी ऐसी तैयारी होगी कि पाकिस्तान अगर व्यवहार करना नहीं सीखेगा तो उसको जवाब मिल जायेगा। मैं इस बात को दोहराना चाहूंगा कि इस तरह की घटना को हम शिखर वार्ता के साथ जोड़ना नहीं चाहते।

12.37 hrs.

RE : DEVELOPMENTS IN VIETNAM

MR. SPEAKER : Now, papers to be laid on the Table.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour) : I seek your permission to raise this. This is about the alraming news that has come in the morning. President

Nixon has ordered the entrances to North Vietnamese ports to be mined to keep weapons and suppliers from what he called, 'international outlaws'. Mr. Nixon has said that the U. S. forces have been directed to take appropriate measures to interdict delivery of supplies by sea He said that rail and other lines of supply would be cut off while air and naval strikes continued. This is a very serious matter, Sir. I want to draw the attention of the House that unless we exert, unless the Government of India exerts, it might lead to a third world war

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): I only request that the Prime Minister may make a statement tomorrow President Nixon, I am sure, is the greatest criminal of the world He is doing whatever he likes How can that be tolerated ?

MR. SPEAKER : He is Head of a State. You must avoid saying this. You can criticise his policies, but must avoid this. (*Interruption*)

SHRI INDRAJIT GUPTA (Alipore) : It has been accepted by everybody that anything which escalates, anything which tends to aggravate, is a matter of concern for us. (*Interruption*).

SHRI JYOTIRMOY BOSU : It is also said that entrances to the ports of North Vietnam are being mined commencing 0900 hrs. Saigon time on May 9, and the mines are said to activate automatically beginning 1800 hrs. Saigon time on May 11. You will feel the alarm soon.

SHRI S. M. BANERJEE Kindly direct them to make a statement tomorrow The Minister of Parliamentary Affairs is here. Let him speak. (*Interruption*)

MR. SPEAKER : I will be sending your views to her.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI RAJ BAHADUR): Is Government called upon to comment on everything that is happening in the world ? (*Interruption*) We are concerned about it.

---

12 40 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY RULES, 1972

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI A K. KISKU) : On behalf of Shri Uma Shankar Dikshit I beg to lay on the Table a copy of the Medical Termination of Pregnancy Rules, 1972 (Hindi and English versions) published in Notification No G. S. R. 286 in Gazette of India dated the 11th March, 1972, under sub-section (3) of section 6 of the Medical Termination of Pregnancy Act, 1972. [Placed in Library *See* No LT—1958/72]

STATEMENT RE DERAILMENT OF A RAILWAY TRAIN BETWEEN CHAKRIAPPALLI AND PENUKONDA STATIONS, RAILWAY PROTECTION FORCE (AMENDMENT) RULES ETC.

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K HANUMANTHAIYA). I beg to lay on the Table —

(1) A statement regarding derailment of train No. 223 UP Mysore-Hubli Passenger between Chakriappalli and Penukonda stations of the Southern Railway on the 26th April, 1972. [Placed in Library *See* No LT 1959/72]

(2) (i) A copy of the Railway Protection Force (Amendment) Rules, 1971 (Hindi and English versions) published in Notification No. G. S. R. 1813 in Gazette of India dated the 27th October, 1971, under sub-